Roll No. .....
Signature of Invigilator ……

Paper Code
BD-201

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May – 2019

B.A. Philosophy (Semester: Second)

Philosophy

सांख्यकारिका

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों अ, ब, तथा स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–अ
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'अ' में पांच (05) दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. प्रमाणों का विस्तारपूर्वक वर्णन करें।
2. विद्यमान पदार्थों की अनुपलब्धि के कारणों का प्रमाणपूर्वक उल्लेख करें।
3. गुणों के स्वरूप का निरूपण करें।
4. सृष्टि क्रम का प्रमाणपूर्वक निरूपण करें।
5. सांख्यकारिका के अनुसार बुद्धि सर्ग का उल्लेख करें।

खण्ड–ब
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ब' में छः (06) लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. प्रकृति की सुकुमारता का वर्णन करें।
2. जीवात्मा के बन्ध और मोक्ष पर प्रकाश डालें।
3. "पुरुषस्य दर्शनार्थं, कैवल्यार्थं तथा प्रधानस्य।,

   पङ्ग्वन्धवदुभयोरपि संयोगस्तत्कृतः सर्गः।।" – प्रस्तुत कारिका का अर्थ स्पष्ट करें।
4. "ऊर्ध्वं सत्त्वविशालस्तमो ..... ब्रह्मादिस्तम्बपर्यन्तः"। – प्रस्तुत कारिका को पूर्ण करके सप्रसंग व्याख्या करें।
5. सांख्यकारिका के आलोक में पुरुष बहुत्ववाद की पुष्टि करें।
6. सत्कार्यवाद का निरूपण करें।

खण्ड–स
(अतिलघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'स' में पाँच (05) अतिलघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित हैं। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक या दो पंक्तियों में लिखिए।

(05×01=05)

1. सांख्यकारिका के प्रवर्तक आचार्य एवं भाष्यकार का नाम लिखें।
2. लिंग शरीर किसे कहते हैं ?
3. आत्मा के बन्ध का कारण क्या है ?
4. सांख्यकारिका का अन्य नाम क्या है ?
5. सांख्यकारिका की प्राचीन प्रमुख व्याख्याएं कौन–सी हैं ?

----------x----------